प्रतिवेदन

भारतीय भाषाओं की समृद्ध परंपरा, सांस्कृतिक विविधता और अभिव्यक्ति की शक्ति को समर्पित 'भारतीय भाषा उत्सव – 2025' का भव्य आयोजन सोमवार, 15 दिसंबर 2025 को डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र, नई दिल्ली के भीम सभागार में संपन्न हुआ। यह कार्यक्रम हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी द्वारा इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र (संस्कृति मंत्रालय, भारत सरकार) तथा डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र (सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार) के संयुक्त तत्त्वावधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ प्रातः 10:30 बजे हुआ।

इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य अपनी मातृभाषा के साथ-साथ अन्य भारतीय भाषाओं के अध्ययन के लिए अनुकूल वातावरण तैयार करना, भाषाई सौहार्द को प्रोत्साहित करना तथा भावी पीढ़ी में भारतीय भाषाओं के प्रति गर्व और सम्मान की भावना को सुदृढ़ करना था । 'भारतीय भाषा दिवस' के उपलक्ष्य में आयोजित यह उत्सव न केवल एक सांस्कृतिक कार्यक्रम था, बल्कि भारतीय भाषाओं के संरक्षण, संवर्धन और प्रचार-प्रसार की एक सशक्त पहल भी सिद्ध हुआ।

कार्यक्रम चार सत्रों में आयोजित किया गया। उद्घाटन सत्र में मुख्य अतिथि के रूप में **डॉ. रश्मि सिंह, भा.प्र.से., सचिव, कला, संस्कृति एवं भाषा विभाग, दिल्ली सरकार** मंचासीन रहीं। विशिष्ट अतिथि- **डॉ. सच्चिदानंद जोशी**, सदस्य सचिव, इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र कार्यक्रम में उपस्थित रहे । **कर्नल आकाश पाटील**, निदेशक, डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र; श्री सुधाकर पाठक, अध्यक्ष, हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी भी शामिल रहे। दीप प्रज्ज्वलन एवं सामूहिक राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का विधिवत शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर हिन्दुस्तानी

भाषा अकादमी की त्रैमासिक पत्रिका 'हिन्दुस्तानी भाषा भारती' के 'भारतीय भाषा दिवस' विशेषांक का लोकार्पण भी किया गया।

अपने स्वागत वक्तव्य में श्री सुधाकर पाठक ने कहा कि 'भारतीय भाषा उत्सव' केवल एक वार्षिक आयोजन नहीं, बल्कि एक बहुभाषिक, बहुसांस्कृतिक और आत्मविश्वासी भारत के निर्माण की सतत् यात्रा है। उन्होंने बताया कि भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय द्वारा वर्ष 2022 से प्रत्येक वर्ष 11 दिसंबर को 'भारतीय भाषा दिवस' मनाने की परंपरा शुरू की गई, और वर्ष 2023 से इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केंद्र के सहयोग से यह उत्सव भव्य रूप ले चुका है। उन्होंने यह भी उल्लेख किया कि अकादमी पिछले आठ वर्षों से 10वीं कक्षा की बोर्ड परीक्षा में भारतीय भाषाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्रों एवं उनके भाषा शिक्षकों को सम्मानित करती आ रही है। वर्ष 2017 से अब तक इस योजना के अंतर्गत 1605 विद्यालयों के 4221 शिक्षकों और 40533 छात्रों को सम्मानित किया जा चुका है।

अपने आधार वक्तव्य में डॉ. सच्चिदानंद जोशी ने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि जो कल्पना कुछ वर्ष पूर्व शुरू हुई थी, वह आज एक बड़े आंदोलन का रूप ले चुकी है। उन्होंने कहा कि यह संभवतः देश का सबसे बड़ा 'भारतीय भाषा दिवस' आयोजन है। साथ ही उन्होंने एआई के युग में भारतीय भाषाओं की मौलिकता, भारतीय लिपियों और भारतीय ज्ञान परंपरा को लेकर अपनी चिंताएँ भी व्यक्त कीं।

कर्नल आकाश पाटील ने अपने उद्बोधन में कहा की पिछले वर्ष भी यह कार्यक्रम यहीं डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केंद्र में बड़ी सफलता के साथ आयोजित किया गया था, और मेरे लिए यह गर्व का विषय है कि इस परंपरा को हम आगे बढ़ा रहे हैं।

शिक्षकों की भूमिका हमारे जीवन में अत्यंत महत्वपूर्ण होती है। स्वयं डॉ. भीमराव अम्बेडकर ने भी अपने शिक्षकों के प्रति गहरी श्रद्धा व्यक्त की थी| भारत की शक्ति उसकी भाषाई विविधता में निहित है।

हमारी भाषाएँ केवल संवाद का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी संस्कृति, और हमारी पहचान हैं।

इस वर्ष के उत्सव में 317 विद्यालयों की सहभागिता रही। 9 भारतीय भाषाओं–हिन्दी, संस्कृत, पंजाबी, बंगाली, तेलुगु, तमिल, गुजराती, सिन्धी एवं उर्दू–के 850 भाषा शिक्षकों को 'भाषा गौरव शिक्षक सम्मान' से सम्मानित किया गया। भारतीय भाषाओं में शत-प्रतिशत अंक प्राप्त करने वाले 278 छात्रों को 'भाषा रत्न सम्मान' प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त, भारतीय भाषाओं में 90 प्रतिशत से अधिक अंक प्राप्त करने वाले 6,752 मेधावी छात्रों को परोक्ष रूप से 'भाषादूत सम्मान' से सम्मानित किया गया। इस सम्मान प्रक्रिया ने शिक्षकों के समर्पण और छात्रों की भाषाई प्रतिभा दोनों को समान रूप से प्रतिष्ठा प्रदान की।

कार्यक्रम के द्वितीय सत्र एवं अन्य सत्रों में डॉ. सच्चिदानंद मिश्र (सदस्य सचिव, भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद), प्रो. डॉ. साधना शर्मा (पूर्व प्राचार्या, श्यामा प्रसाद मुखर्जी महिला महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), प्रो. हितेंद्र मिश्र (निदेशक, केंद्रीय हिंदी निदेशालय), प्रो. रमा शर्मा (प्राचार्या, हंसराज महाविद्यालय, दिल्ली विश्वविद्यालय), श्रीमती इंदिरा मोहन (अध्यक्ष, दिल्ली हिंदी साहित्य सम्मेलन), प्रो. अवनीश कुमार, प्रो. सत्यकेतु सांस्कृत (डीन, अम्बेडकर विश्वविद्यालय) सहित अनेक शिक्षाविदों, साहित्यकारों, पत्रकारों एवं समाजसेवियों ने अपने विचार प्रस्तुत किए। मंचासीन अतिथियों द्वारा शिक्षकों एवं छात्रों को क्रमवार सम्मानित किया गया।

समग्र रूप से 'भारतीय भाषा उत्सव – 2025' भारतीय भाषाओं के गौरव, भारत की सांस्कृतिक एकता, भाषाई सौहार्द और ज्ञान परंपरा को सशक्त करने वाला एक ऐतिहासिक एवं प्रेरणादायी आयोजन सिद्ध हुआ, जिसने यह संदेश दिया कि भारतीय भाषाएँ न केवल संवाद का माध्यम हैं, बल्कि भारत की आत्मा और पहचान का आधार भी हैं।

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी
डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र
भारतीय भाषा दिवस समारोह
भारतीय भाषा उत्सव
'मेधावी छात्र एवं शिक्षक सम्मान समारोह'
सोमवार, 15 दिसम्बर, 2025 | प्रातः 9.30 बजे
स्थान: डॉ. अम्बेडकर इंटरनेशनल सेंटर 15, जनपथ, नई दिल्ली-110001

भारतीय भाषा उत्सव
MEDIA
TEACHERS

इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय कला केन्द्र
हिन्दुस्तानी भाषा अकादमी
डॉ. अम्बेडकर अंतर्राष्ट्रीय केन्द्र
भारतीय भाषा दिवस समारोह
भारतीय भाषा उत्सव
सोमवार, 15 दिसम्बर, 2025 | प्रातः 9.30 बजे